

चचेरे भाई की बीवी को ग्रुप सेक्स में शामिल किया -9

“नया गेम शुरू हुआ निजी फ्रंटासी को लेकर... मधु ने पब्लिक प्लेस में चुदने की तो नीलेश ने नीता को काले हब्शी लौड़े से चुदवाने की अपनी फ्रंटासी बताई। मैंने दोनों को पूरा करने की ठान ली। ...”

Story By: राहुल मधु (itsrahulmadhu)

Posted: सोमवार, मई 23rd, 2016

Categories: [बीवी की अदला बदली](#)

Online version: [चचेरे भाई की बीवी को ग्रुप सेक्स में शामिल किया -9](#)

चचेरे भाई की बीवी को ग्रुप सेक्स में शामिल किया -9

हम चारों बाथरूम में ही थे तो शावर ऑन किया और चारों साथ में नहाने लगे। हम सभी एक दूसरे को सहला और पुचकार रहे थे। नहाते हुए कभी नीलेश मधु की बूब्स दबता कभी नीता की चूत में लंड डाल देता। मैं भी कभी मधु के नंगे गीले बदन से खेलता तो कभी नीता के बदन से। सभी लोगो ने एक दूसरे को साबुन लगाया और अच्छे से नहला दिया।

नहाने के बाद कपड़े तो पहनने नहीं थे इसलिए मधु ने नीलेश का बदन पोंछा, नीता ने मेरा और बाद में दोनों ने एक दूसरे का बदन पोंछा।

नीता बोली- भाभी इतना नहाने के बाद तो बड़ी तेज़ भूख लग आई है।

मैंने और नीलेश ने भी हाँ में हाँ मिला दी।

मधु बोली- पोहा तकरीबन तैयार ही है, मैं अभी लेकर आती हूँ।

नीता ने बिस्तर पे ही अखबार बिछा दिया और हम लोग पोहा खाने लगे।

मैंने कहा- आज एक नया गेम खेलते हैं।

सभी लोग एक सुर में बोले- क्या ?

मैंने कहा- आज सब अपनी अपनी एक एक फंतासी बताएँगे और बाकी के लोग मिलकर उसकी कल्पना को पूरा करने की कोशिश करेंगे। चाहे फंतासी कितनी भी गन्दी और मलिन क्यों न हो। जैसे अभी अभी नीता की एक डर्टी फंतासी को पूरा किया गया, वैसे ही सबकी एक एक इच्छा पूरी की जाएगी।

सभी लोग बहुत खुश दिखाई दिए।

मैंने कहा- तो मधु बताओ तुम्हारी कोई स्वाहिश ?

मधु बोली- मुझे पब्लिक प्लेस में चुदना है।

मैंने कहा- ओके डार्लिंग तुम्हारी यह इच्छा पूरी करेंगे।

फिर मैंने कहा- हाँ भई नीलेश, तेरी कोई फंतासी ?

नीलेश बोला- हाँ है तो मेरी फंतासी पर थोड़ी अजीब है !

मैंने कहा- बातें मत बना सीधा बोल, क्या है तेरी डर्टी फंतासी।

नीलेश बोला- मैं नीता को काले लौड़े से अपने सामने चुदवाना चाहता हूँ।

हम सभी लोग हक्के बक्के रह गए, मैंने कहा- यार कुछ और कोई और फंतासी बता जो हो सके ?

मेरी बात काटते हुए नीता बोली- नहीं भैया, आपने ही कहा था कि चाहे कैसी भी चाहत हो, हम सबको साथ देना है। तो मैं दूंगी अपने पति को उनकी फंतासी पूरा करने का मौका।

मैंने कहा- जब मियाँ बीवी राज़ी तो क्या करेगा क़ाज़ी, मुझे लगा था कि तुम इसके लिए तैयार नहीं होगी।

नीता कुछ नहीं बोली बस नीलेश को देखती रही।

नीलेश और मधु लगभग एक सुर में बोले- तू अपनी भी तो कोई हसरत बता दे ?

इतने में ही फ़ोन बजा, फ़ोन नीलेश के फ़ोन पर आया था, स्क्रीन पर मम्मी लिखा था, मैं बोला- ले बुआ का फ़ोन आ गया।

उसने फ़ोन उठाया और बोला- हाँ मम्मी !

और इधर नीता को इशारा किया, नीता तुरंत नीलेश का लंड चूसने लगी।

बात करते करते ही नीलेश ने मधु को भी करीब आने का इशारा किया। मधु भी नीलेश के पास चली गई और नीलेश की छाती पे निप्पल चूसने लगी। वो मधु की गांड में उंगली करने लगा।

मेरा ध्यान उसके फ़ोन पे चल रही बातों पर नहीं था बल्कि मेरा ध्यान उसके साथ चल रही गतिविधि पर था।

इतने में नीलेश बोला- तो लो आप बोल दो राहुल से!

और उसने फ़ोन मेरी तरफ बढ़ा दिया।

मैं जैसे एकदम नींद तोड़ के उठा हूँ, वैसे फ़ोन पर बोला- हाँ हाँ बुआ ? कैसी है आप ?

जब तक इधर उधर की बातें ही चल रही थी तब तक नीलेश ने नीता और मधु के कान में कुछ कहा, दोनों लड़कियाँ मुस्कराई और मेरी तरफ बढ़ी।

मधु मेरे निप्पल चूसने लगी और नीता ने झट से पूरा लंड मुँह में ले लिया और चूसने लगी।

मेरा ध्यान फ़ोन पे जो बुआ बोल रही थी उसमें लग ही नहीं रहा था, मुझे सुनाई सब पड़ रहा था पर समझ कुछ नहीं आ रहा था, मैंने हाँ हाँ... ओके... ओके... बोल कर फ़ोन रख दिया।

फ़ोन रखने के बाद मैं अपने साथ चल रही रति क्रिया के मज़े लेने लगा।

नीलेश बोला- तो मम्मी क्या बोली ?

मैंने बहुत ही गैरजिम्मेदारी से कहा- मुझे नहीं पता वो क्या बोली, मुझे कुछ समझ ही नहीं आया।

नीलेश बोला- यार तू भी न, वो तुझे भोपाल बुला रही है और तूने हाँ हाँ ओके ओके... बोल कर फ़ोन रख दिया।

मैंने कहा- अब एक ने सीने में आग लगा रखी है और दूसरी लंड मुँह में लिए पड़ी है तो घंटा समझ आ रहा था कि बुआ क्या बोल रही है।

नीलेश बोला- यह भी मेरी एक फंतासी हुआ करती थी, जब भी होटल में होते थे, मैं किसी

न किसी को फ़ोन लगा लेता और नीता से लौड़ा चुसवाता था। इसलिए मैंने सोचा तुझे भी अनुभव कराऊँ कि कैसा लगता है।

मैंने कहा- हाँ मज़ा तो बहुत आया लेकिन फ़ोन पर मैंने किस बात पे क्या कह दिया इसका कोई अनुमान नहीं है। मैंने नीता का मुँह हटाया और अपना लंड उसके मुँह से बाहर निकाला और मधु को भी अपनी छाती से दूर कर दिया।

नीलेश बोला- अब क्या करें ?

तब तक मैंने दोबारा फ़ोन लगाया और बोला- बुआ, आपकी आवाज़ साफ़ नहीं आ रही थी इसलिए कुछ समझ नहीं आया था, क्या बोल रही थी आप ?

बुआ ने बताया कि परसों सुबह एक लड़के वाले आ रहे हैं और लगभग बात तय सी ही है, उसके कारण वो हम सबको वहाँ भोपाल बुला रही थी।

मैंने भी ऐसी खुशी की बात में कह दिया- हाँ बुआ, मैं इन सबको लेकर आता हूँ।

फिर सबसे पहले ट्रेन में तत्काल में अगले दिन सुबह की टिकट बुक कर दी, मैनेजर को मैसेज कर दिया कि डॉक्टर ने कम्प्लीट बेड रेस्ट के लिए बोला है इसलिए मैं सोमवार को ही वापस आ पाऊँगा।

मधु बोली- चलो मैं भी पैकिंग कर लेती हूँ वहाँ तो कपड़े पहनने पड़ेंगे न !

सभी लोग जोर से हंस पड़े।

नीता बोली- मेरे तो कपड़े निकले ही नहीं क्योंकि यहाँ तो कपड़े पहनने की अनुमति ही नहीं है न।

मैंने कहा- हाँ तुम पैकिंग करो, मैं काले भुजंग लम्बे और मोटे से लौड़े का इंतज़ाम करता हूँ नीता के लिए... क्योंकि आज का दिन तो है ही न मस्ती मारने के लिए। और तदनुसार कोई मूवी की टिकट भी बुक करता हूँ। क्यूँ मधु, सिनेमा हॉल पब्लिक प्लेस भी है और ठंडक में चुदाई का भी मज़ा आएगा।

मधु मेरे गले लग गई और बोली- हाँ जान तुमने बहुत अच्छी पब्लिक प्लेस चुना है मेरी फंतासी पूरी करने के लिए।

मैंने तुरंत इंटरनेट पे सर्च किया जिससे पुरुष वेश्या मिल सके। जल्दी ही एक एजेंसी का नंबर मिला उससे मैंने बात की और एक 6 फुट लम्बे काले, मोटे और लम्बे लंड वाले हब्शी को बुक कर लिया।

उसके बाद मैंने एक बकवास सी मूवी के टिकट बुक किये जिससे उसमें भीड़ कम हो, मधु की इच्छा भी पूरी हो जाये और कोई ड्रामा भी न हो।

मैंने कहा- चलो सब लोग तैयार हो जाओ अपन लोग पहले मूवी देखने चल रहे हैं, हब्शी 4 बजे तक आएगा।

मधु पैकिंग करते करते तैयार भी हो गई।

सभी लोग गाड़ी में आकर बैठ गए, आगे नीता पीछे नीलेश और मधु!

मधु बोली- बहुत देर बाद कपड़े पहने हैं, अच्छा लग रहा है।

इस मासूम से वाक्य से हम सभी लोग हंसने लगे।

हम सभी मूवी हॉल में पहुंचे, बहुत ज्यादा लोग नहीं थे सिनेमा में कोई 18+ मूवी ही थी। ज्यादातर कपल्स ही थे मूवी हाल में, मैंने नीलेश को बोला- तू मधु के एक तरफ बैठ और नीता को अपनी तरफ बैठाया तो हम दोनों नीता और नीलेश के बीच में थे जिससे हमें साइड से कोई देख न सके।

मूवी शुरू हुई, अँधेरा हुआ। मुझे मूवी में कोई इंट्रेस्ट तो था नहीं, बस मैंने मधु के ऊपर हाथ फेरना शुरू कर दिया, मधु भी अँधेरे की आड़ में मेरा लंड टटोल रही थी।

मैंने मधु के कपड़ों में हाथ डाला सोचा कि इसकी ब्रा का हुक खोल दूँ, पर जैसे ही मैंने अंदर हाथ डाला तो पाया कि उसने ब्रा पहनी ही नहीं थी।

हम दोनों एक दूसरे की आँखों में देखकर मुस्कुरा दिए।

मधु बोली- कैसा रहा सरप्राइज ?

मैं हंसते हुए बोला- बहुत अच्छा, तुम तो चुदने को बेताब नज़र आ रही हो ?

मधु तुरंत अपनी सीट से उठी और सीट के नीचे घुटनों पर बैठ गई। नीलेश थोड़ा टेढ़ा होकर बैठ गया जिससे आड़ थोड़ी ज्यादा हो जाये और उसकी भाभी को कोई उसके भाई का लंड चूसते हुए न देख सके।

मधु ने मेरे जीन्स के ऊपर से ही लंड सहलाना शुरू किया और ज़िप नीचे कर दी, और फिर ज़िप में से ही मेरा लौड़ा जो खड़ा ही था, उसे बाहर निकाल दिया। मैंने जीन्स का बटन भी खोल और कच्छे सहित घुटनों तक उतार दिया। जिससे मेरी जान मेरे लंड के साथ साथ मेरे अंटे से भी खेल सके।

थोड़ी देर लंड की चुसाई के बाद मधु बोली- अब आप मेरी चूत में अपनी जीभ से तब तक चुदाई करो जब तक मेरी चूत कम से कम तीन बार पानी न छोड़ दे, मैं अगर तुम्हारे सामने गिड़गिड़ाने भी लगूँ तो भी मुझे मत छोड़ना।

यह कहानी आप अन्तर्वासना डॉट कॉम पर पढ़ रहे हैं !

नीलेश एक सीट छोड़ के बैठा हुआ था, उसको अभी अपनी सीट के पास वाली सीट पर आने को कहा और बोली- जब तक तुम्हारा भाई मेरी चूत से पानी निकाल रहा है, मेरे बूब्स को एक भी पल के लिए मसलना और चूसना मत छोड़ना।

नीता को कहा- नीता, तू मेरा दूसरा बोबा अपने मुंह में लेकर रख। आज तुम तीनों मिलकर मुझे जन्नत में पहुँचा दो, मुझ पर कोई तरस मत खाना !

हम तीनों ही मधु के इस रूप को देखकर थोड़े से आश्चर्य में थे पर हमें कोई खास ऐतराज़ नहीं था, क्योंकि मधु भूखी थी और उसकी मनपसंद ख्वाहिश पूरी हो रही थी।

हम सभी ने मन ही मन आज मधु के ताबड़तोड़ चुदाई का प्रण कर लिया था।

मधु थोड़ा सा नीचे सरक कर बैठी गई जिससे उसकी चूत बिल्कुल बाहर को आ जाये और चाटने चूमने में कोई दिक्कत न हो।

नीलेश ने भी मधु के टॉप को ऊपर करके आदेशानुसार मधु के उरोज को अपने मुंह में लेकर मसलना और सहलाना शुरू किया, ऐसे ही नीता भी मधु के दूसरे बोबे के साथ खेलने लगी। मैं मधु की चूत में घुस गया, उसने अपनी टाँगें चौड़ी कर रखी थी जिससे मैं आराम से अपनी जीभ जितना अंदर हो सके ले जा सकूँ।

मधु इतनी गर्म और कामोत्तेजित थी कि जीभ के अंदर जाते ही दो ही मिनट में उसकी फुट्टी ने पानी छोड़ दिया। पर उसकी तमन्ना अभी भरी नहीं थी। उसकी भूख अपने चरम पर थी, मैं बिना रुके उसकी चूत में ड्रिल मशीन की तरह अपनी जीभ से सनसनी करता ही रहा। मधु को और मज़ा आये उसके लिए अब मैंने उसकी गांड में अपनी एक उंगली और चूत के निचले हिस्से पर अपने अंगूठे से धीरे धीरे मसाज भी करने लगा।

करीब 15 मिनट बाद मधु झड़ती और इतना पानी निकला जैसे वो मूत रही हो। जब मधु झड़ रही थी तो ऐसे झटके ले रही थी जैसे हार्ट अटैक आ गया हो।

मधु के चिपचिपे पानी से मेरे पूरे कपड़े गीले हो चुके थे, मधु ने पूरी ताकत से अपनी दोनों टाँगों के एक दूसरे से मिला रखा था, वो ऐसे ही टाँगें चिपकाये कांपती हुई झड़ती रही।

जब वो थोड़ी सी नार्मल होने लगी तो मैंने टाँगें फिर से चौड़ी करने का इशारा किया, तो मधु बोली- बस हो गया मेरा... अब कुछ नहीं चाहिए।

मैंने कहा- माँ की लौड़ी, अभी एक बार और तुझे और पानी बहाना पड़ेगा तभी छोड़ूँगा मैं तुझे।

मधु बोली- अरे वो तो मैं वासना और कामोत्तेजना में बहकर बोल गई थी, आप बैठ जाओ थोड़ी देर में आपके लौड़े को अपनी चूत में डलवाऊँगी।

मैंने कहा- हाँ ठीक है, पर टाँगें चौड़ी तो कर मुझे थोड़ा सा पानी टेस्ट करना है।
जैसे ही मधु की टाँगें थोड़ी चौड़ी हुई, मैंने फिर से अपना सर उसकी चूत पर लगा दिया
और फिर से जीभ से अपनी बीवी की चूत की चुदाई करने लगा।

मधु बोली- प्लीज छोड़ दो, बात को समझो... मैंने ऐसे ही कह दिया था, मेरा यह मतलब
नहीं था।

पर मैंने भी सोचा हुआ था कि आज इसको इतना चोदूँगा की यह रो पड़े।

मैं बोला- तुमने बोला था न, तो अब मजे लो, टेंशन मत लो। ए नीलेश... ज़रा अपनी
भाभी का सर पे हाथ फेर और उसे नार्मल कर!

नीलेश ने बिना मुंह से मधु का बोबा निकाले ही सर पे हाथ फेरना शुरू कर दिया।

अब तक मधु को समझ आ गया था कि मैंने बात को पुरुषत्व पे ले लिया है, तो उसने
मुझसे बोलना बंद कर दिया और अपनी फंतासी को जीने लगी।

मैंने फिर से मधु की गांड में एक उंगली डाल कर और अबकी बार अंगूठा भी थोड़ा चूत के
थोड़ा ज्यादा अन्दर डाल कर मसलने लगा और जीभ से मधु की चूत का दाना छेड़ता
रहा।

थोड़ी ही देर में मधु फिर से भड़भड़ा के पानी बहाने लगी, उसके चेहरे पर पसीना उसकी
आँखें एकदम लाल और आँखों में आंसू भी थे। मैंने उसको सीट से उठाया और अपनी गोद
में बैठा लिया और पूछा- क्या हुआ तुम रो रही हो ?

मधु बोली- कोई नहीं, आप चिंता मत करो, औरतों के आंसू तो किसी भी बात पे निकल
जाते हैं। मुझे बहुत अच्छा लग रहा है, मेरी दिल की तमन्ना पूरी हो रही है इसलिए खुशी
के आंसू हैं।

नीलेश बोला- यार, शायद इंटरवल होने वाला है, अपन थोड़ा सीधे बैठ जाते हैं।

हमने अपने अपने कपड़े सही किये और चारों अच्छे से अपनी अपनी जगह बैठ गए।

नीता नीलेश के बगल में उसके कंधे पर सर रखकर बैठ गई और मधु मेरे बगल में बैठ कर मेरे कंधे पर सर रखकर बैठी रही ।

10 मिनट बाद ही इंटरवल हो गया, मैं और नीलेश जाकर पॉपकॉर्न, ड्रिंक्स और पानी ले आये ।

मैंने वाशरूम जाकर अपने कपड़े थोड़े सही किये क्योंकि वो चिपचिपे थे ।

कहानी जारी रहेगी ।

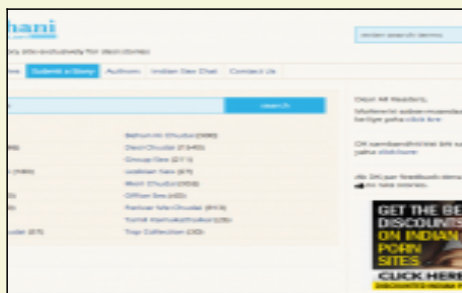
itsrahulmadhu@gmail.com





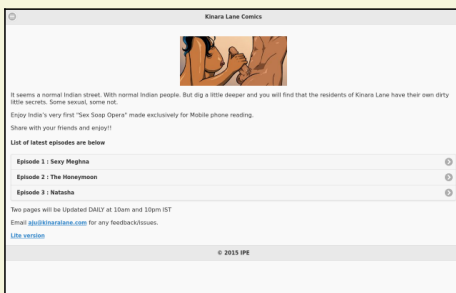
Other sites in IPE

Desi Kahani



URL: www.desikahani.net **Average traffic per day:** 180 000 GA sessions **Site language:** Desi, Hinglish **Site type:** Story **Target country:** India Read over 6000+ desi sex stories and daily updated new desi sex kahaniyan only on DesiKahani.

Kinara Lane



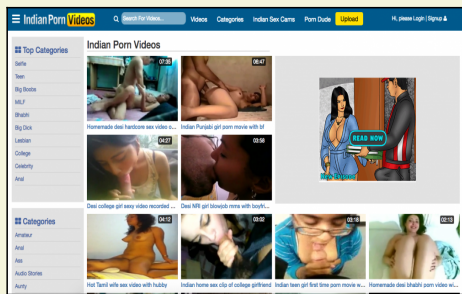
URL: www.kinara lane.com **Site language:** English **Site type:** Comic **Target country:** India A sex comic made especially for mobile from makers of Savita Bhabhi!

Hot Arab Chat



URL: www.hotarabchat.com **CPM:** Depends on the country - around 2,5\$ **Site language:** Arabic **Site type:** Phone sex - IVR **Target country:** Arab countries Listing of phone sex services for Arabic speaking audience (web view).

Indian Porn Videos



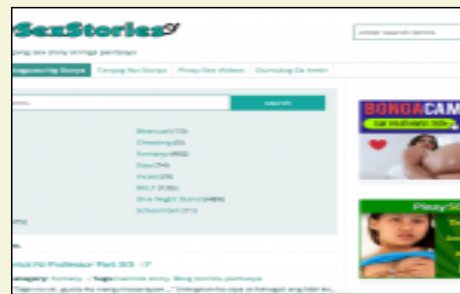
URL: www.indianpornvideos.com **Average traffic per day:** 600 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** India Indian porn videos is India's biggest porn video site.

Tamil Scandals



URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Pinay Sex Stories



URL: www.pinaysexstories.com **Average traffic per day:** 18 000 GA sessions **Site language:** Filipino **Site type:** Story **Target country:** Philippines Everyday there is a new Filipino sex story and fantasy to read.